==========

AVYAKT MURLI

06 / 05 / 71

==========

06-05-71 ओम शान्ति अव्यक्त बापदादा मधुबन

बापदादा का विशेष श्रृंगार -- 'नूरे-रत्न'

आज रत्नागर बाप अपने रत्नों को देख हर्षित हो रहे हैं। देख रहे हैं कि हरेक रत्न यथा-शक्ति पुरूषार्थ कर आगे बढ़ रहे हैं। हरेक अपने आपको जानते हो कि हम कौनसा रत्न हैं? कितने प्रकार के रत्न होते हैं? (8 रत्न हैं) आप कितने नम्बर के रत्न हो? हीरे के संग रह हीरे समान नहीं बने हो? रत्न तो सभी हो लेकिन एक रत्न है, जिनको कहते हैं नूर-ए-रत्न। तो क्या सभी नूर-ए-रत्न नहीं हो? एक तो नूर-ए-रत्न, दूसरे हैं गले की माला के रत्न। तीसरी स्टेज क्या है, जानते हो? तीसरे हैं हाथों के कंगन के रत्न। सभी से फर्स्ट नम्बर हैं नूर-ए-रत्न। वह कौन बनते हैं? जिनके नयनों में सिवाय बाप के और कुछ भी देखते हुए भी देखने में नहीं आता है। वह हैं नूर-ए-रत्न। और जो अपने मुख से ज्ञान का वर्णन करते हैं लेकिन जैसा पहला नम्बर सुनाया कि सदैव नयनों में बाप की याद, बाप की सूरत ही

सभी को दिखाई दे-उसमें कुछ कम हैं, वह गले द्वारा सर्विस करते हैं, इसलिए गले की माला का रत्न बनते हैं। और तीसरा नम्बर जो हाथ के कंगन का रत्न बनते हैं उनकी विशेषता क्या है? किस-न-किस रूप से मददगार बनते हैं। तो मददगार बनने की निशानी यह बांहों के कंगन के रत्न बनते हैं। अब हरेक अपने से पूछे कि मैं कौनसा रत्न हूँ? पहला नम्बर, दूसरा नम्बर वा तीसरा नम्बर? रत्न तो सभी हैं और बापदादा के श्रृंगार भी तीनों ही हैं। अब बताओ, कौनसा रत्न हो? नूर- ए-रत्नों की जो परख सुनाई उसमें 'पास विद् ऑनर' हो? उम्मीदवार में भी नम्बर होते हैं। तो सदैव यह स्मृति में रखो कि हम बापदादा के नूरए-रत्न हैं, तो हमारे नयनों में वा नजरों में और कोई भी चीज समा नहीं सकती। चलते-फिरते, खाते-पीते आपके नयनों में क्या दिखाई देना चाहिए? बाप की मूरत वा सूरत। ऐसी स्थिति में रहने से कभी भी कोई कम्पलेन नहीं करेंगे। जो भी भिन्न-भिन्न प्रकार की परेशानियां परेशान करती हैं और परेशान होने के कारण अपनी शान से परे हो जाते हो। तो परेशान का अर्थ क्या हुआ? अपनी जो शान है उससे परे होने के कारण परेशान होना पड़ता है। अगर अपनी शान में स्थित हो जाओ तो परेशान हो नहीं सकते। तो सर्व परेशानियों को मिटाने के लिए सिर्फ शब्द के अर्थ-स्वरूप में टिक जाओ। अर्थात् अपने शान में स्थित हो जाओ तो शान से मान सदैव प्राप्त होता है। इसलिए शान-मान कहा जाता है। तो अपनी शान को जानो। जितना जो अपनी शान में स्थित होते हैं उतना ही उनको मान मिलता है। अपनी

शान को जानते हो? कितनी ऊंची शान है! लौकिक रीति भी शान वाला कभी भी ऐसा कर्त्तव्य नहीं करेगा जो शान के विरूद्ध हो। अपनी शान सदैव याद रखो तो कर्म भी शानदार होंगे और परेशान भी नहीं होंगे। तो यह सहज युक्ति नहीं है परेशानी को मिटाने की? कोई भी बुराई को समाप्त करने के लिए बाप की बड़ाई करो। सिर्फ एक मात्रा के फर्क से कितना अन्तर हो गया है! बुराई और बड़ाई, सिर्फ एक मात्रा को पलटाना है। यह तो 5 वर्ष का छोटा बच्चा भी कर सकता है। सदैव बड़े से बड़े बाप की बड़ाई करते रहो, इसमें सारी पढ़ाई भी आ जाती है। तो यह बाप की बड़ाई करने से क्या होगा? लड़ाई बन्द। माया से लड़-लड़ कर थक गये हो ना। जब बाप की बड़ाई करेंगे तो लड़ाई से थकेंगे नहीं, लेकिन बाप के गुण गाते खुशी में रहने से लड़ाई भी एक खेल मिसल दिखाई पड़ेगी। खेल में हर्ष होता है ना। तो जो लड़ाई को खेल समझते, ऐसी स्थिति में रहने वालों की निशानी क्या होगी? हर्ष। सदा हर्षित रहने वाले को माया कभी भी किसी भी रूप से आकर्षित नहीं कर सकती। तो माया की आकर्षण से बचने के लिए एक तो सदैव अपनी शान में रहो, दूसरा माया को खेल समझ सदैव खेल में हर्षित रहो। सिर्फ दो बातें याद रहें तो हर कर्म यादगार बन जाये। जैसे साकार में अनुभव किया - कैसे हर कर्म यादगार बनाया। ऐसे ही आप सभी का हर कर्म यादगार बने, उसके लिए दो बातें याद रखो। आधारमूर्त और उद्धारमूर्त। यह दोनों बातें याद रहें तो हर कर्म यादगार बनेगा। अगर सदैव अपने को विश्व-परिवर्तन के आधारमूर्त समझो

तो हर कर्म ऊंचा होगा। फिर साथ-साथ उदारचित अर्थात् सर्व आत्माओं के प्रति सदैव कल्याण की भावना वृत्ति-दृष्टि में रहने से हर कर्म श्रेष्ठ होगा। तो अपना हर कर्म ऐसे करो जो यादगार बनने योग्य हो। यह फालो करना मुश्किल है क्या? (म्यूजियम सर्विस पर पार्टी जा रही है) त्याग का सदैव भाग्य बनता है। जो त्याग करता है उसको भाग्य स्वत: ही प्राप्त हो जाता है। इसलिए यह जो बड़े से बड़ा त्याग करते हैं उन्हों का बड़े से बड़ा भाग्य जमा हो जाता है। इसलिए खुशी से जाना चाहिए सर्विस पर। अच्छा।

==========

QUIZ QUESTIONS

==========

प्रश्न 1 :- बापदादा ने कितने प्रकार के रत्न बताये ?

प्रश्न 2 :- नूर-ए-रत्न और गले की माला के रत्न की क्या विशेषता हैं ?

प्रश्न 3 :- बापदादा ने परेशानी से मुक्त होने के लिए कौन सी युक्ति बताई ?

प्रश्न 4 :- कर्म को यादगार बनाने की लिए कौन सी दो बातें याद रखनी हैं ?

प्रश्न 5 :- माया के आकर्षण से बचने के लिए कौन सी बातें याद रखनी हैं ?

FILL IN THE BLANKS:-

( स्मृ ति, रत्नागर, लडाई, मददगार, कंगन, त्याग, भाग्य, निशानी, समा, पुरूषार्थ, बड़ाई रत्नों, नूर-ए-रत्न, खुशी, खेल )

1 आज _____ बाप अपने _____ को देख हर्षित हो रहे हैं। देख रहे हैं कि हरेक रत्न यथा-शक्ति _____ कर आगे बढ़ रहे हैं।

2 सदैव यह _____ में रखो कि हम बापदादा के _____ हैं, तो हमारे नयनों में वा नजरों में और कोई भी चीज _____ नहीं सकती।

3 तीसरा नम्बर जो हाथ के _____ का रत्न बनते हैं उनकी विशेषता क्या है? किस-न-किस रूप से _____ बनते हैं। तो मददगार बनने की _____ यह बांहों के कंगन के रत्न बनते है।

4 जब बाप की _____ करेंगे तो _____ से थकेंगे नहीं, लेकिन बाप के गुण गाते खुशी में रहने से लड़ाई भी एक _____ मिसल दिखाई पड़ेगी।

5 यह जो बड़े से बड़ा _____ करते हैं उन्हों का बड़े से बड़ा _____ जमा हो जाता हैं। इसलिए _____ से जाना चाहिए सर्विस पर। अच्छा।

सही गलत वाक्यो को चिन्हित करे:-

1 :- जो भी भिन्न-भिन्न प्रकार की परेशानियां परेशान करती हैं और परेशान होने के कारण अपनी शान से परे हो जाते हो।

2 :- कोई भी समस्या को समाप्त करने के लिए बाप की बड़ाई करो।

3 :- चलते- फिरते, खाते-पीते आपके नयनों में क्या दिखाई देना चाहिए? बाप की मूरत वा सूरत।

4 :- सदैव बड़े से बड़े बाप की बड़ाई करते रहो, इसमें सारी नॉलेज भी आ जाती हैं।

5 :- त्याग का सदैव भाग्य बनता हैं। जो त्याग करता हैं उसको भाग्य स्वत: ही प्राप्त हो जाता हैं।

==========

QUIZ ANSWERS

==========

प्रश्न 1 :- बापदादा ने कितने प्रकार के रत्न बताये ?

उत्तर 1 :- बापदादा ने 3 प्रकार के रत्न बताये।

..❶ एक तो नूर-ए-रत्न।

..❷ दूसरे हैं गले की माला के रत्न।

..❸ तीसरी स्टेज क्या है, जानते हो? तीसरे हैं हाथों के कंगन के रत्न।

प्रश्न 2 :- नूर-ए-रत्न और गले की माला के रत्न की क्या विशेषता हैं ?

उत्तर 2 :- जिनके नयनों में सिवाय बाप के और कुछ भी देखते हुए भी देखने में नहीं आता हैं। वह हैं नूर-ए-रत्न।

जो अपने मुख से ज्ञान का वर्णन करते हैं लेकिन जैसा पहला नम्बर सुनाया कि सदैव नयनों में बाप की याद, बाप की सूरत ही सभी को दिखाई दे-उसमें कुछ कम हैं, वह गले द्वारा सर्विस करते हैं, इसलिए गले की माला का रत्न बनते हैं।

प्रश्न 3 :- बापदादा ने परेशानी से मुक्त होने के लिए कौन सी युक्ति बताई ?

उत्तर 3 :- बापदादा ने परेशानी से मुक्त होने के लिए युक्ति बताते हुए कहा कि:-

..❶ अपनी शान में स्थित हो जाओ तो परेशान हो नहीं सकते।

..❷ तो सर्व परेशानियों को मिटाने के लिए सिर्फ शब्द के अर्थ-स्वरूप में टिक जाओ। अर्थात् अपने शान में स्थित हो जाओ तो शान से मान सदैव प्राप्त होता हैं। इसलिए शान-मान कहा जाता हैं।

..❸ अपनी शान को जानते हो? कितनी ऊंची शान है! लौकिक रीति भी शान वाला कभी भी ऐसा कर्त्तव्य नहीं करेगा जो शान के विरूद्ध हो।

..❹ अपनी शान सदैव याद रखो तो कर्म भी शानदार होंगे और परेशान भी नहीं होंगे।

प्रश्न 4 :- कर्म को यादगार बनाने की लिए कौन सी दो बातें याद रखनी हैं ?

उत्तर 4 :- सिर्फ दो बातें याद रहें तो हर कर्म यादगार बन जाये।

..❶ आधारमूर्त और उद्धारमूर्त। यह दोनों बातें याद रहें तो हर कर्म यादगार बनेगा।

..❷ अगर सदैव अपने को विश्व-परिवर्तन के आधारमूर्त समझो तो हर कर्म ऊंचा होगा।

..❸ फिर साथ-साथ उदारचित अर्थात् सर्व आत्माओं के प्रति सदैव कल्याण की भावना वृत्ति-दृष्टि में रहने से हर कर्म श्रेष्ठ होगा।

प्रश्न 5 :- माया के आकर्षण से बचने के लिए कौन सी बातें याद रखनी हैं ?

उत्तर 5 :- सदा हर्षित रहने वाले को माया कभी भी किसी भी रूप से आकर्षित नहीं कर सकती। तो माया की आकर्षण से बचने के लिए

..❶ एक तो सदैव अपनी शान में रहो।

..❷ दूसरा माया को खेल समझ सदैव खेल में हर्षित रहो।

FILL IN THE BLANKS:-

( स्मृति, रत्नागर, लडाई, मददगार, कंगन, त्याग, भाग्य, निशानी, समा, पुरूषार्थ, बड़ाई रत्नों, नूर-ए-रत्न, खुशी, खेल )

1 आज _____ बाप अपने _____ को देख हर्षित हो रहे हैं। देख रहे हैं कि हरेक रत्न यथा-शक्ति _____ कर आगे बढ़ रहे हैं।

.. रत्नागर / रत्नों / पुरुषार्थ

2 सदैव यह _____ में रखो कि हम बापदादा के _____ हैं, तो हमारे नयनों में वा नजरों में और कोई भी चीज _____ नहीं सकती।

.. स्मृति / नूर-ए-रत्न / समा

3 तीसरा नम्बर जो हाथ के _____ का रत्न बनते हैं उनकी विशेषता क्या है? किस-न-किस रूप से _____ बनते हैं। तो मददगार बनने की _____ यह बांहों के कंगन के रत्न बनते हैं।

.. कंगन / मददगार / निशानी

4 जब बाप की _____ करेंगे तो _____ से थकेंगे नहीं, लेकिन बाप के गुण गाते खुशी में रहने से लड़ाई भी एक _____ मिसल दिखाई पड़ेगी।

.. बड़ाई / लड़ाई / खेल

5 यह जो बड़े से बड़ा _____ करते हैं उन्हों का बड़े से बड़ा _____ जमा हो जाता है। इसलिए _____ से जाना चाहिए सर्विस पर। अच्छा

.. त्याग / भाग्य / खुशी

सही गलत वाक्यो को चिन्हित करे:-

1 :- जो भी भिन्न-भिन्न प्रकार की परेशानियां परेशान करती हैं और परेशान होने के कारण अपनी शान से परे हो जाते हो। 【✔】

2 :- कोई भी समस्या को समाप्त करने के लिए बाप की बड़ाई करो। 【✖】

.. कोई भी बुराई को समाप्त करने के लिए बाप की बड़ाई करो।

3 :- चलते- फिरते, खाते-पीते आपके नयनों में क्या दिखाई देना चाहिए? बाप की मूरत वा सूरत। 【✔】

4 :- सदैव बड़े से बड़े बाप की बड़ाई करते रहो, इसमें सारी नॉलेज भी आ जाती हैं। 【✖】

.. सदैव बड़े से बड़े बाप की बड़ाई करते रहो, इसमें सारी पढ़ाई भी आ जाती हैं।

5 :- त्याग का सदैव भाग्य बनता हैं। जो त्याग करता हैं उसको भाग्य स्वत: ही प्राप्त हो जाता हैं। 【✔】